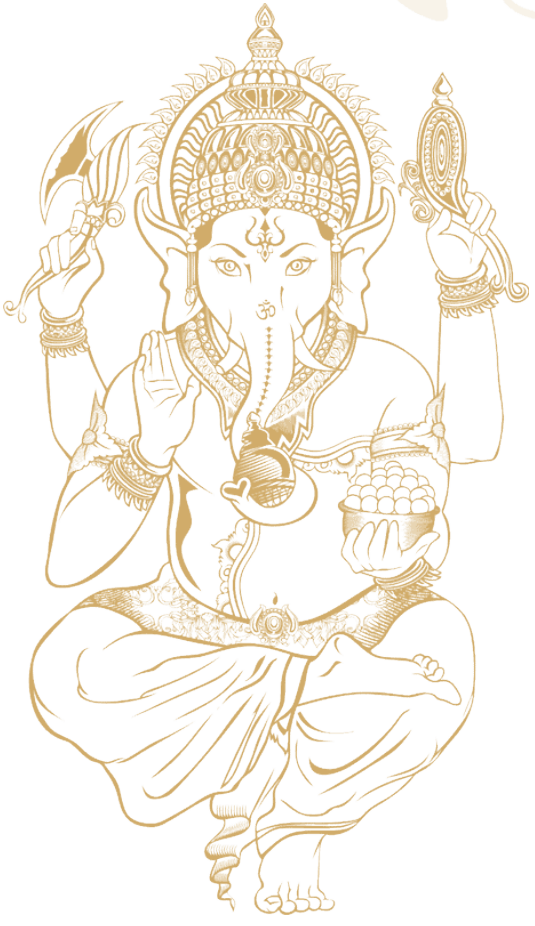

Shri Jitendra Ji Upadhyay

15 May 1977

11:55 PM

Kota

Model: web-freekundliweb

Order No: 121182002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/05/1977**
दिन	रविवार
जन्म समय	**23:55:00 घंटे**
इष्ट	45:32:43 घटी
स्थान	**Kota**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:11:00 उत्तर
रेखांश	75:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:28:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:42 घंटे
साम्पातिक काल	15:02:19 घंटे
सूर्योदय	05:41:54 घंटे
सूर्यास्त	19:03:23 घंटे
दिनमान	13:21:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	01:14:47 वृष
लग्न के अंश	10:14:30 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	आयुष्मान
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	10:14:30	399:32:23	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			वृष	01:14:47	00:57:52	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	05:38:15	11:55:39	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
मंगल			मीन	20:21:25	00:45:44	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
बुध			मेष	11:18:24	00:08:45	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
गुरु			वृष	15:33:14	00:13:47	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	20:25:06	00:34:01	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि			कर्क	17:27:33	00:03:32	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	00:39:01	00:00:32	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	00:39:01	00:00:32	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	मित्र राशि
हर्ष	व		तुला	15:34:34	00:02:25	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
नेप	व		वृश्चि	21:46:39	00:01:29	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
प्लूटो	व		कन्या	18:12:47	00:01:07	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
दशम भाव			तुला	24:30:16	--	विशाखा	--	16	शुक्र	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:32:33

लग्न-चलित

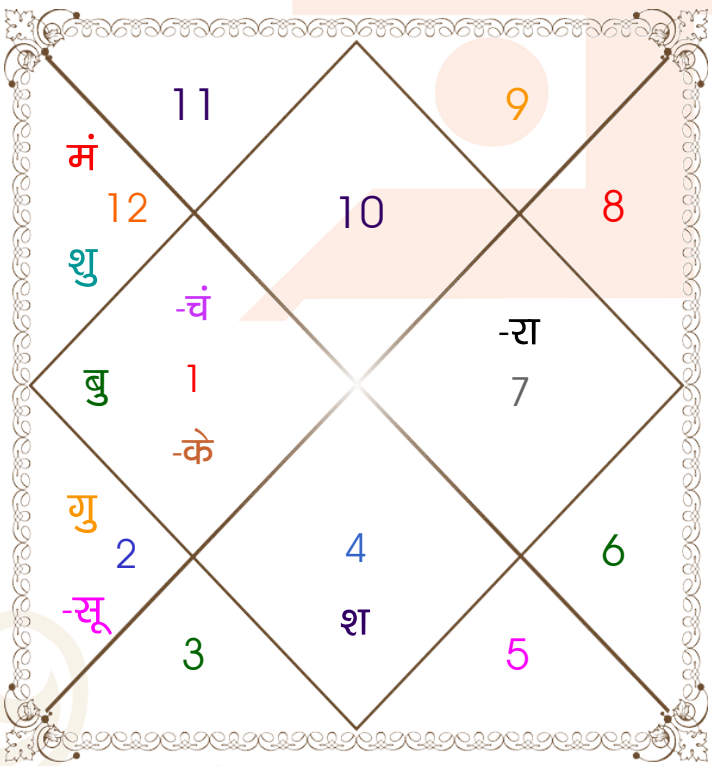

चन्द्र कुंडली

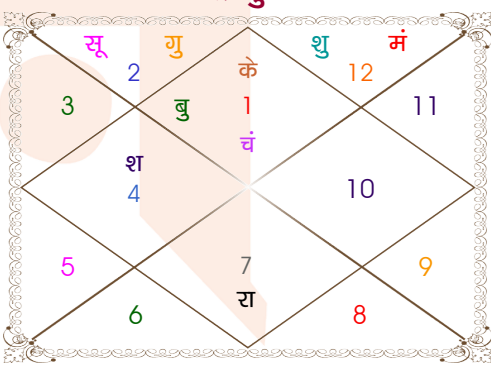

नवमांश कुंडली

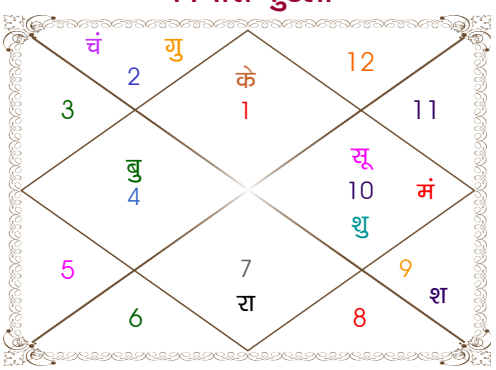

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 0 मास 14 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/05/1977		30/05/1981		30/05/2001		31/05/2007		30/05/2017	
30/05/1981		30/05/2001		31/05/2007		30/05/2017		30/05/2024	
	00/00/0000	शुक्र	29/09/1984	सूर्य	17/09/2001	चंद्र	30/03/2008	मंगल	26/10/2017
	00/00/0000	सूर्य	29/09/1985	चंद्र	18/03/2002	मंगल	29/10/2008	राहु	14/11/2018
	00/00/0000	चंद्र	31/05/1987	मंगल	24/07/2002	राहु	30/04/2010	गुरु	21/10/2019
	00/00/0000	मंगल	30/07/1988	राहु	18/06/2003	गुरु	30/08/2011	शनि	29/11/2020
	15/05/1977	राहु	31/07/1991	गुरु	05/04/2004	शनि	30/03/2013	बुध	26/11/2021
राहु	18/05/1978	गुरु	31/03/1994	शनि	18/03/2005	बुध	30/08/2014	केतु	24/04/2022
गुरु	24/04/1979	शनि	30/05/1997	बुध	23/01/2006	केतु	31/03/2015	शुक्र	24/06/2023
शनि	02/06/1980	बुध	30/03/2000	केतु	30/05/2006	शुक्र	29/11/2016	सूर्य	30/10/2023
बुध	30/05/1981	केतु	30/05/2001	शुक्र	31/05/2007	सूर्य	30/05/2017	चंद्र	30/05/2024

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
30/05/2024		30/05/2042		30/05/2058		30/05/2077		30/05/2094	
30/05/2042		30/05/2058		30/05/2077		30/05/2094		00/00/0000	
राहु	10/02/2027	गुरु	18/07/2044	शनि	02/06/2061	बुध	27/10/2079	केतु	27/10/2094
गुरु	06/07/2029	शनि	29/01/2047	बुध	10/02/2064	केतु	23/10/2080	शुक्र	27/12/2095
शनि	12/05/2032	बुध	06/05/2049	केतु	21/03/2065	शुक्र	24/08/2083	सूर्य	03/05/2096
बुध	29/11/2034	केतु	12/04/2050	शुक्र	21/05/2068	सूर्य	29/06/2084	चंद्र	02/12/2096
केतु	18/12/2035	शुक्र	11/12/2052	सूर्य	03/05/2069	चंद्र	29/11/2085	मंगल	30/04/2097
शुक्र	17/12/2038	सूर्य	29/09/2053	चंद्र	02/12/2070	मंगल	26/11/2086	राहु	15/05/2097
सूर्य	11/11/2039	चंद्र	29/01/2055	मंगल	11/01/2072	राहु	14/06/2089		00/00/0000
चंद्र	12/05/2041	मंगल	05/01/2056	राहु	17/11/2074	गुरु	20/09/2091		00/00/0000
मंगल	30/05/2042	राहु	30/05/2058	गुरु	30/05/2077	शनि	30/05/2094		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 0 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म प्रभाव से अनुकूल संकेत यह प्राप्त हो रहा है कि आप अपने जीवन में प्रसिद्धि प्राप्त कर अपने नाम को उजागर करेंगे। क्योंकि आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के प्रथम चरण में मकर लग्न में उस समय हुआ, जिसमें मेदिनीय क्षितिज पर लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं वृषभ राशि का द्रेष्काण लग्न के साथ ही उदित हुआ था। मकर राशीय आकृति से यह भी स्पष्ट हो रहा है कि आप हर दशा में धन संचित कर सुखद आनंददायक पारिवारिक जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपके साथ सुंदर एवं समझदार पत्नी एवं अच्छे पुत्रादि के संयोजन का प्रभाव परिलक्षित हो रहा है।

आपके जीवन का अत्यंत अनुकूल समय आपकी आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष का समय रहेगा। इस अवधि में आप बहुत सफलता प्राप्त कर, धनी व्यक्ति बन जाएंगे। आप इस अवधि में समय का सदुपयोग कर के आपके लिए पर्याप्त धन एकत्र करने का सुंदर समय रहेगा। इसलिए आप कोई किसी प्रकार के आभाव के प्रति चिंतित न हो। क्योंकि आपके पास इतना धन हो जाएगा कि आपका संपूर्ण जीवन विस्तार पूर्वक व्यतीत होगा।

आप एक उत्तम मेधावी एवं शक्ति संपन्न प्राणी होंगे। आप अपनी सफलता हेतु किसी भी प्रकार के साहसिक कार्य को संपादन करने हेतु सक्षम हैं। आपके लिए व्यवसायों में आपके गुण के अनुसार भूमि से संबंधित कार्य अति अनुकूल होंगे। यथा खनिज, कोयला (खुदाई) खनन का कार्य, कृषि कार्य, तेल एवं पेट्रोल का कार्य, लाभदायक होगा। यदि आप अपनी बुद्धि को असंतुलित कर ले तो अपने स्तर में विकास कर विशिष्टता प्राप्त कर सकते हैं तथा आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति विश्वसनीयता पूर्वक कर सकते हैं। आप सर्वथा गायन कला, गणितीय कार्य एवं ज्योतिषीय कार्य में जिसमें आपकी अभिरूचि हो उसकी कार्य में सफल होंगे।

आप धार्मिक भावना के आस्तिक प्राणी हैं। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आपकी इच्छा धर्म दर्शन की अधिक से अधिक शिक्षा ग्रहण करने की रहेगी एवं पराविद्या के प्रति रूचिवान रहेंगे। आप उदार प्रवृति के प्राणी हैं। आप किसी भी परिस्थिति में धार्मिक अथवा समाज सेवी संस्था को अनुदान प्रदान करने में कभी भी नहीं हिचकेंगे। यह वास्तविकता है कि आप अपने मन की ऊंची लहर को वृद्धावस्था में पूर्ण कर के समाज में सेवा का कार्य करेंगे।

आपके उत्तम आचरण के कारण आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं मनोहर रहेगा। परंतु कतिपय अतिरिक्त रोगादि का प्रभाव कुछ समय के लिए प्रभावित कर सकता है। आपकी पाचन शक्ति कमजोर है। आपको कफ, सर्दी, जुकाम अथवा शारीरिक चर्म रोगादि भी प्रभावित कर सकता है। आपको इन रोगादि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। आपको सर्वदा अपने शारीरिक कार्य-कलाप के प्रति पैनी दृष्टि रखनी चाहिए। आप आंशिक रूप से शारीरिक जख्म के कारण अधोगामी हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन लाभकारी है। परंतु सोमवार, गुरुवार एवं रविवार का दिन प्रतिकूल है।

आपके लिए अंकों में अंक 6, 8 एवं 9 अंक सर्वदा अनुकूल है, परंतु स्पष्ट रूपेण 3 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए पीला एवं क्रीम रंग त्यागनीय है। जबकि रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग अनुकूल एवं साहस प्रदायक है।